PAPER-III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

S 7 3 1 3

Time : **2 $^{1}/_{2}$** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal / polythene bag on the booklet. Do not accept a booklet without sticker-seal / without polythene bag and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील / पोलिथीन बैग को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील / बिना पोलिथीन बैग की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

संस्कृत-परम्परागत विषय:

संस्कृत-परम्परागत विषय

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम् – III

प्रश्नपत्र – III

Paper – III

संकेत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चसप्तति**: **(75)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना उत्तरणीया: ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

Note : This paper contains **seventy-five (75)** multiple choice questions. Each question carries **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

1. क्षिप्रसंज्ञकनक्षत्रमस्ति –
क्षिप्रसंज्ञकनक्षत्र है –
क्षिप्रसंज्ञकनक्षत्र is –
(A) श्रवण: (B) हस्त:
(C) मूलम् (D) चित्रा

2. मध्यनाडी भवति –
मध्यनाडी होती है –
मध्यनाडी is related to –
(A) मघाया: (B) पुष्यस्य
(C) हस्तस्य (D) विशाखाया:

3. विवाहलग्नेऽशुभं भवति –
विवाहलग्न में अशुभ है –
In विवाहलग्न, अशुभ is –
(A) व्यये शनि: (B) तृतीये चन्द्र:
(C) चतुर्थे भृगु: (D) पञ्चमे भौम:

4. सूर्यग्रहणे स्पर्शो भवति –
सूर्यग्रहण में स्पर्श होता है –
During सूर्यग्रहण, स्पर्श happens –
(A) पूर्वत: (B) पश्चिमत:
(C) उत्तरत: (D) दक्षिणत:

5. चन्द्रवासरे तृतीयहोरेशो भवति –
चन्द्रवार को तृतीय होरेश होता है –
चन्द्रवासरे the third स्वामी of होरा is –
(A) गुरु: (B) शुक्र:
(C) शनि: (D) भौम:

6. लम्बनस्याभावो भवति –
लम्बन का अभाव होता है –
Absence of लम्बन takes place –
(A) पृष्ठीयक्षितिजे (B) गर्भीयक्षितिजे
(C) अस्तक्षितिजे (D) खमध्ये

7. 'एङ: पदान्तादति' इत्यस्य सूत्रस्योदाहरणमस्ति –
'एङ: पदान्तादति' इस सूत्र का उदाहरण है –
The example illustrating the सूत्र 'एङ: पदान्तादति' is –
(A) हरी एतौ (B) गवाग्रम्
(C) हरेऽव (D) गोग्रम्

8. उपसर्जनसंज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति –
उपसर्जनसंज्ञा विधायक सूत्र है –
उपसर्जन संज्ञा is enjoined by the sutra –
(A) उपसर्जनं पूर्वम्
(B) प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम्
(C) उपसर्गाच्च
(D) उपपदमतिङ्

9. कर्मप्रवचनीययुक्ते….. विभक्ति:स्यात् –
कर्मप्रवचनीय के योग में …. विभक्ति होती है ।
कर्मप्रवचनीय युक्ते The विभक्ति taking place is –
(A) द्वितीया (B) तृतीया
(C) पञ्चमी (D) चतुर्थी

10. याज्ञवल्क्यमते जनने मरणे वा क्षत्रियस्याशौचं भवति –
याज्ञवल्क्य के मत में जन्म, मरण में क्षत्रिय को अशौच होता है –
According to याज्ञवल्क्य during जनन and मरण, the duration of अशौच for क्षत्रिय is –
(A) दशाहानि (B) द्वादशाहानि
(C) पञ्चदशाहानि (D) एकादशाहानि

11. प्रामाण्यं भवति –
प्रामाण्य होता है –
The definition of प्रामाण्य is –
(A) तद्वतितत्प्रकारकत्वे सति ज्ञानत्वम्
(B) तद्भाववति तत् प्रकारत्वे सति ज्ञानत्वम्
(C) अनुभवत्वम्
(D) शाब्दबोधत्वम्

12. 'वेदेन प्रयोजनमुद्दिश्य विधीयमानोऽर्थो धर्मः' इति धर्मलक्षणमस्ति –
'वेदेन प्रयोजनमुद्दिश्य विधीयमानोऽर्थो धर्मः' यह धर्म लक्षण है –
'वेदेन प्रयोजनमुद्दिश्य विधीयमानोऽर्थो धर्मः' is the definition –
(A) कृष्णायज्वनः
(B) लौगाक्षिभास्करस्य
(C) आपदेवस्य
(D) प्रभाकरस्य

13. तमः द्रव्यं न भवतीति वदन्ति –
तम को द्रव्य नहीं मानते हैं –
Those who donot accept तम as द्रव्य are –
(A) पूर्वमीमांसकाः (B) वेदान्तिनः
(C) नैयायिकाः (D) योगिनः

14. 'पृथ्वी गन्धवती शब्दवत्वात्' इत्यत्र हेतौ दोषोऽस्ति –
'पृथ्वी गन्धवती शब्दवत्वात्' यहाँ हेतु में दोष है –
'पृथ्वी गन्धवती शब्दवत्वात्' here lies a दोष in हेतु –
(A) बाधः (B) व्यभिचारः
(C) सत्प्रतिपक्षः (D) असिद्धिः

15. पुष्करपलाशवत् निर्लेपो भवति –
पुष्करपलाशवत् निर्लेप होता है –
That which is not tainted like पुष्करपलाश is –
(A) प्राणः
(B) पुरुषः
(C) प्रधानम्
(D) आकाशः

16. पुराणं दशसाहस्रमस्ति –
पुराण दशसाहस्र है –
'पुराण दशसाहस्रमस्ति' is related to –
(A) अग्निपुराणम् (B) नारदपुराणम्
(C) वामनपुराणम् (D) मत्स्यपुराणम्

17. उपपुराणेऽन्तर्भवति –
उपपुराण में अन्तर्भाव है –
That which comes under उपपुराण is –
(A) श्रीमद्भागवतम् (B) कूर्मपुराणम्
(C) लिङ्गपुराणम् (D) स्कन्दपुराणम्

18. पद्मपुराणस्य सृष्टिखण्डेऽध्यायाः सन्ति –
पद्मपुराणस्य सृष्टिखण्ड में अध्याय संख्या है –
In सृष्टिखण्ड of पद्मपुराण the number of अध्याय is
(A) 85 (B) 24
(C) 26 (D) 82

19. अधस्तनेषु समीचीनां तालिकां चिनुत :
निम्नांकित में समीचीन तालिका चुनिये :
Choose the appropriate answer of following in तालिका :

(a) ईशोपनिषद्	(i)	अथर्ववेदः
(b) शतपथब्राह्मणम्	(ii)	ऋग्वेदः
(c) ऐतरेय ब्राह्मणम्	(iii)	माध्यन्दिन संहिता
(d) पैप्पलादसंहिता	(iv)	काण्व संहिता

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

20. अधस्तनेषु समीचीनां तालिकां चिनुत :
अधोलिखित में समीचीन तालिका का चयन कीजिये :
Choose the appropriate answer of following in तालिका :

(a)	गोपथब्राह्मणम्		(i)	शुक्ल यजुर्वेद:
(b)	पञ्चविंशब्राह्मणम्		(ii)	अथर्ववेद:
(c)	काण्व संहिता		(iii)	ऋग्वेद:
(d)	ऐतरेयोपनिषद्		(iv)	सामवेद:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

21. काण्वसंहिता या भाष्यकारोऽस्ति –
काण्वसंहिता के भाष्यकार हैं –
Commentator of काण्वसंहिता is –
(A) महर्षि दयानन्द: (B) उव्वट:
(C) महीधर: (D) सायण:

22. 'इष्टार्थव्यवच्छन्नापदावलि: काव्यम्' इति काव्यलक्षणमस्ति –
'इष्टार्थव्यवच्छन्नापदावलि: काव्यम्' यह काव्य लक्षण है –
'इष्टार्थव्यवच्छन्नापदावलि: काव्यम्' this काव्य लक्षण is of –
(A) भामहस्य (B) दण्डिन:
(C) जगन्नाथस्य (D) विश्वनाथस्य

23. 'आरोपिता क्रिया' अस्ति –
'आरोपिता क्रिया' है –
'आरोपिता क्रिया' is –
(A) अभिधा (B) व्यञ्जना
(C) लक्षणा (D) तात्पर्याख्या

24. 'ये रसस्याङ्गिनो धर्मा:' कथ्यन्ते –
जो काव्यात्मा, रस के धर्म हैं – वे कहलाते हैं –
The धर्मा: of रस are –
(A) शब्दा: (B) गुणा:
(C) अलङ्कारा: (D) अर्था:

25. 'पृथिव्यादिचत्वारि भूतानि' इति वदन्ति –
पृथिव्यादि चार को ही भूत मानते हैं –
Those who accept only four महाभूतानि are –
(A) चार्वाका: (B) वैशेषिका:
(C) बौद्धा: (D) पौराणिका:

26. स्वर्गेश्वरादिकं नास्तीति स्वीकुर्वन्ति –
स्वर्ग एवं ईश्वरादि को नहीं मानते हैं –
Those who donot accept स्वर्ग, ईश्वर etc, are –
(A) पौराणिका: (B) वैशेषिका:
(C) चार्वाका: (D) मीमांसका:

27. 'जगत्कर्त्ता नेश्वर इति वदन्ति' –
'जगत् के कर्ता ईश्वर नहीं है' यह मानते हैं –
The who maintain that there is no जगत्कर्ता are
(A) नैयायिका: (B) सांख्या:
(C) अद्वैतवेदान्तिन: (D) योगिन:

28. जगतो निमित्तोपादानं भवति –
जगत् का निमित्तोपादान है –
The निमित्तोपादान of जगत् is –
(A) प्राण: (B) माया
(C) जीव: (D) ब्रह्म

29. सदसद्विलक्षणं भवति –
सदसद्विलक्षण होता है –
सदसद्विलक्षण is –
(A) जीव: (B) अज्ञानम्
(C) मन: (D) ब्रह्म

30. उपनिषच्छब्दार्थो भवति –
उपनिषद् शब्द का अर्थ होता है –
The meaning of the word उपनिषद्, is
(A) महाविद्या (B) आत्मविद्या
(C) संवर्गविद्या (D) अग्निविद्या

31. बालारिष्टं योगं विदधाति –
बालारिष्ट योग होता है –
बालारिष्ट योग happens –
(A) षष्टाष्टमे सपापचन्द्र:
(B) द्वादशे सपापगुरु:
(C) द्वितीये शुभ:
(D) दशमे पाप:

32. विंशोत्तरीमहादशायां वर्षसंख्या भवति –
विंशोत्तरीमहादशा में वर्ष संख्या होती है –
The number of years in विंशोत्तरीदशा is –
(A) विंशति: (B) शतोत्तरविंशति:
(C) अष्टोत्तरशतम् (D) षट्त्रिंशत्

33. आद्यैकनाडी कुरुते –
आद्यैकनाडी करता है –
आद्यैकनाडी does –
(A) संयोगम् (B) वियोगम्
(C) रवियोगम् (D) विवाहयोगम्

34. सूर्येन्दुभगणान्तरं भवति –
सूर्येन्दुभगणान्तर होता है –
सूर्येन्दुभगणान्तरं is –
(A) अधिमास: (B) सौरमास:
(C) चान्द्रमास: (D) क्षयमास:

35. ग्रहाणां गति: कति विधा ? –
ग्रहों की गति कितने प्रकार की है ?
Type of ग्रहगति is –
(A) द्विधा (B) अष्टधा
(C) पञ्चधा (D) त्रिधा

36. क्रान्तिवृत्तीय-नाडीवृत्तीयमध्यमार्कयोरन्तरं भवति –
क्रान्तिवृत्तीय-नाडीवृत्तीयमध्यमार्कान्तर होता है –
क्रान्तिवृत्तीय-नाडीवृत्तीयमध्यमार्कान्तर is –
(A) उदयान्तरम् (B) मध्यमान्तरम्
(C) वेलान्तरम् (D) परमान्तरम्

37. 'रक्षोहागमलघ्वसन्देहा: प्रयोजनम्' इत्यत्र "उह" इत्यस्यार्थो भवति –
'रक्षोहागमलघ्वसन्देहा: प्रयोजनम्' यहाँ "उह" का अर्थ है –
'रक्षोहागमलघ्वसन्देहा: प्रयोजनम्' here the meaning of उह is –
(A) तर्क: (B) निश्चय:
(C) सन्देह: (D) वाद:

38. स्फोटाभिव्यञ्जकोऽस्ति –
स्फोट को व्यक्त करती है –
स्फोट is manifested through –
(A) वस्तुध्वनि: (B) अलङ्कारध्वनि:
(C) प्राकृतध्वनि: (D) वैकृतध्वनि:

39. 'ञिति णिति च तद्धिते परे' आदिवृद्धिविधायकं सूत्रमस्ति
'ञिति णिति च तद्धिते परे' आदिवृद्धिविधायकं सूत्र है –
'ञिति णिति च तद्धिते परे' The aphorism ardainins आदिवृद्धि –
(A) वृद्धिरादैच् (B) वृद्धिरेचि
(C) किति च (D) तद्धितेष्वचामादे:

40. कर्मस्वरूपमात्रबोधको विधिरस्ति –
कर्मस्वरूपमात्रबोधक विधि है –
The विधि which signifies कर्मस्वरूप alone is –
(A) प्रयोगविधि: (B) विनियोगविधि:
(C) उत्पत्तिविधि: (D) अधिकारविधि:

41. अपूर्वं भवति –
अपूर्व होता है –
अपूर्व is –
(A) त्रिविधम् (B) चतुर्विधम्
(C) षड्विधम् (D) द्विविधम्

42. 'वेद: पौरुषेय:' – इति वदन्ति –
'वेद: पौरुषेय:' ऐसा कहते हैं –
'वेद: पौरुषेय:' is said by –
(A) वेदान्तिन: (B) नैयायिका:
(C) मीमांसका: (D) पौराणिका:

43. विशेषगुणत्वात् दिक्कालमनसां गुणो न भवति –
विशेषगुण होने के कारण दिक् काल और मन का गुण नहीं है –
Due to their being विशेषगुण दिक् काल and मन have no गुण –
(A) संयोग: (B) संख्या
(C) बुद्धि: (D) विभाग:

44. अव्याप्यवृत्तिविशेषगुणो भवति –
अव्याप्यवृत्ति विशेष गुण होता है –
अव्याप्यवृत्ति विशेष गुण is –
(A) संस्कार: (B) गन्ध:
(C) शब्द: (D) परिमाणम्

45. "मन: भूतत्ववत् मूर्तत्वात्" इत्यत्र हेतौ दोषोऽस्ति –
"मन: भूतत्ववत् मूर्तत्वात्" यहाँ मूर्तत्व हेतु में दोष है –
"मन: भूतत्ववत् मूर्तत्वात्" here the हेतुदोष is –
(A) बाध: (B) विरोध:
(C) अव्याप्ति: (D) आश्रयासिद्धि:

46. धर्माधर्मादिभावा: सन्ति –
धर्माधर्मादि भाव होते हैं –
धर्माधर्मादि भावs are there –
(A) पुरुषे (B) मूलप्रधाने
(C) महत्तत्त्वे (D) मनसि

47. महामोहा: भवन्ति –
महामोह होते हैं –
महामोहs are –
(A) दश (B) नव
(C) एकादश (D) द्वादश

48. योगाङ्गानि भवन्ति –
योगाङ्ग होते हैं –
The अंगs of योग are –
(A) नव (B) अष्ट
(C) सप्त (D) दश

49. यत्सत् तत्क्षणिकमिति सिद्धान्तोऽस्ति –
"यत्सत् तत्क्षणिकम्" – यह सिद्धान्त है –
"यत्सत् तत्क्षणिकम्" is the tenet –
(A) न्यायशास्त्रस्य (B) बौद्धदर्शनस्य
(C) जैनदर्शनस्य (D) चार्वाकदर्शनस्य

50. आलयविज्ञानमङ्गीकुर्वन्ति –
आलयविज्ञान को स्वीकार करते हैं –
आलय विज्ञान is accepted by –
(A) वेदान्तिन: (B) बौद्धा:
(C) लौकिका: (D) पाश्चात्यविज्ञानिन:

51. षङ्गुरुरिति उपाधिर्भवति –
"षड्गुरु" यह उपाधि होती है –
The उपाधि called षड्गुरु belongs –
(A) वैदिकस्य (B) जैनस्य
(C) नैयायिकस्य (D) शून्यवादिन:

52. शुक्लयजुर्वेदसम्बद्धा उपनिषद: सन्ति –
शुक्लयजुर्वेद सम्बद्ध उपनिषद हैं –
The ups belonging to शुक्लयजुर्वेद are –
(A) उनविंशति: (B) दश
(C) द्वात्रिंशत् (D) एकत्रिंशत्

53. "मा नस्तोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषु" इत्यादि मन्त्रस्य देवताऽस्ति –
"मा नस्तोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषु" इत्यादि इस मन्त्र के देवता हैं –
"मा नस्तोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषु" इत्यादि – the देवता of this mantra is –
(A) विष्णु: (B) रुद्र:
(C) सूर्य: (D) दिक्पति:

54. अत्रायं पुरुष: स्वयं ज्योतिरिति वाक्यमस्ति –
"अत्रायं पुरुष: स्वयं ज्योतिरिति" वाक्य है –
"अत्रायं पुरुष: स्वयं ज्योतिरिति" this sentence is found –
(A) कठोपनिषदि
(B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) माण्डूक्योपनिषदि
(D) बृहदारण्यकोपनिषदि

55. "यै: जनार्दन: न ज्ञेय:" ते च कथिता: –
"जो जनार्दन को नहीं जानते" वे हैं –
The scriptures not comprehending Janardana, are –
(A) दुरागमा: (B) सदागमा:
(C) पाशुपतागमा: (D) शाक्तागमा:

56. वेदानां प्रामाण्यं स्वत एव सिद्धम्
वेदों का प्रामाण्य स्वत एव सिद्ध है ।
The validity of Vedas is self-evident
(A) अनवस्थानात्
(B) बुद्धिदोषाभावात्
(C) आनन्त्यात्
(D) प्रत्यभिज्ञाविरोधात्

57. नवकृत्वोपदेशस्य श्रुतिरस्ति –
नवकृत्वोपदेश की श्रुति है –
The श्रुति text for नवकृत्वोपदेश is –
(A) अतत्त्वमसि (B) अहं ब्रह्मास्मि
(C) सोऽहमस्मि (D) अयमात्मा ब्रह्म

58. धर्मसूत्रस्य प्रवर्त्तकोऽस्ति –
धर्मसूत्र का प्रवर्त्तक है –
Profounder of धर्मसूत्र is –
(A) आपस्तम्ब: (B) बौधायन:
(C) गौतम: (D) हिरण्यकेशी

59. अज्ञानकृतब्रह्मवधव्रतस्याङ्गं भवति –
अज्ञानकृत-ब्रह्मवधव्रत का अंग होता है –
The अंग of व्रत to be performed to cleanse the taint of ब्रह्मवध is –
(A) सुवर्णदानम्
(B) धेनुदानम्
(C) आपद्ग्रस्त ब्राह्मत्राणम्
(D) तुलादानम्

60. जातिमात्रब्राह्मण्या: वधे देयो भवति –
जातिमात्र ब्राह्मणी वध में देय होता है –
In case of killing of जातिमात्र ब्राह्मणी, the thins to be given away is –
(A) अश्व: (B) मेष:
(C) वत्स: (D) नीलवृष:

61. "वाच्य एव वाक्यार्थ" इति मतमस्ति –
"वाच्य एव वाक्यार्थ" यह मत है –
"वाच्य एव वाक्यार्थ" this is the opinion –
(A) ध्वनिवादिनाम्
(B) अभिहितान्वयवादिनाम्
(C) अन्विताभिधानवादिनाम्
(D) वक्रोक्तिवादिनाम्

62. "इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः" इति-लक्षणमस्ति –
"इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः" यह लक्षण है –
"इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः" is the definition –
(A) उत्तमोत्तमकाव्यस्य (B) उत्तमकाव्यस्य
(C) मध्यमकाव्यस्य (D) अवरकाव्यस्य

63. ध्वनि प्रस्थापनपरमाचार्योऽस्ति –
ध्वनि प्रस्थापनपरमाचार्य है –
The prapounder of ध्वनिप्रस्थान is –
(A) आनन्दवर्द्धनः
(B) मम्मटः
(C) पण्डित जगन्नाथः
(D) कविराजो विश्वनाथः

64. सप्तर्षिषु अवरोऽस्ति –
सप्तर्षियों में अवर है –
Anans सप्तर्षि the अवर is –
(A) राजर्षिः (B) महर्षिः
(C) देवर्षिः (D) ब्रह्मर्षिः

65. पद्मपुराणेऽवतारसंख्याऽस्ति –
पद्मपुराण में अवतारों की संख्या है –
The number of अवतारs in पद्मपुराण –
(A) द्वादश (B) नव
(C) दश (D) एकादश

66. वसिष्ठस्य प्रपौत्रोऽस्ति –
वसिष्ठ का प्रपौत्र है –
The प्रपौत्र of वसिष्ठ is –
(A) शुकदेवः (B) पराशरः
(C) व्यासः (D) शांशपायनः

67. शान्तिवश्यादिकर्म भवति –
शान्ति वश्यादि कर्म होता है –
शान्ति वश्यादि कर्म is –
(A) षट् (B) पञ्च
(C) सप्त (D) अष्ट

68. कालीतारादिशक्तयो भवन्ति –
कालीतारादि शक्तियाँ होती हैं –
कालीतारादि शक्तिs are –
(A) पञ्च (B) दश
(C) षट् (D) अष्टादश

69. दशदलपद्मं भवति –
दशदलपद्म होता है –
दशदलपद्म is –
(A) नाभौ (B) कण्ठे
(C) केर (D) शिरसि

70. प्रधानकारणवादनिरासोऽस्ति –
प्रधानकारण वाद का निरास है –
प्रधानकारण वाद is refuted –
(A) महाभाष्ये (B) शाबरभाष्ये
(C) व्यासभाष्ये (D) शाङ्करभाष्ये

71. अनादिभावरूपं ज्ञाननिवर्त्यं च भवति –
अनादिभावरूप है और ज्ञान से निवृत्त होता है –
अनादिभावरूप is disappened by ज्ञान –
(A) मनः (B) जगत्
(C) अज्ञानम् (D) मिथ्यात्वम्

72. अद्वैततत्त्वप्रतिपादकमुपनिषद्भाष्यं वर्तते –
अद्वैततत्त्वप्रतिपादक उपनिषद् भाष्य है –
The उपनिषद् भाष्य expounding अद्वैततत्त्व is –
(A) वल्लभाचार्यस्य
(B) निम्बार्काचार्यस्य
(C) शंकराचार्यस्य
(D) श्रीकण्ठाचार्यस्य

73. भारतीयदर्शनानि सन्ति –
भारतीय दर्शन है –
The number of भारतीयदर्शनs
(A) त्रयोदश (B) चतुर्दश
(C) द्वादश (D) षड्

74. लगधाचार्योऽस्ति –
लगधाचार्य हैं –
लगधाचार्य is
(A) आर्चज्योतिषग्रन्थकारः
(B) फलितज्योतिग्रन्थकारः
(C) गणितज्योतिषग्रन्थकारः
(D) वास्तुविद्याग्रन्थकारः

75. काम्यश्राद्धे वैश्वदेवौ भवतः –
काम्यश्राद्ध में वैश्वदेव होते हैं –
(A) पुरुरवाद्रवौ (B) कालकामौ
(C) सत्यवसू (D) धुरिरोचनौ

Space For Rough Work